







जो न कभी खिंच होता है, न ड़ेप करता है,
न जोक करता है, न कामना करता है
तदा जो सुध और खलुध सम्पूर्ण कर्मों का स्वामी है-
वह भक्तिमयक सत्य मयको प्रिय है ।

1006











